आज बाबा आयेंगे.. खुशियाँ संग अपने लायेंगे।
मधुर मधुर मुस्कान से वो मुस्करायेंगे।
अपने नयनों से जादू दिखलायेंगे।
उमंग उत्साह के पंखो से हमें फ़रिश्ता बन उड़ायेंगे।
अपने निर्मल छवि से सबका मन बहलायेंगे ।
तीव्र पुरुषार्थ की युक्ति सिखलायेंगे।
हमको अपने बाहों में समायेंगे।
मीठी मीठी बातों से हमकों ज्ञान के तीर लगायेंगे।
अपनी रूहानी दृष्टि से वरदानों के पात्र बनायेंगे।
होली के शुभ अवसर पर होली का सबक पढ़ायेंगे।
बीती को बीती कर होली बनाना समझायेंगे।
पास को पास कर पास विद ऑनर होना सिखलायेंगे।
योगी भव पवित्र भव का जन्म सिद्ध अधिकार का ध्यान फिर से दिलायेंगे।
आत्मा के सात रंगों का रंग हम सबको माथे तिलक से सजायेंगे।
एक दुझे को भाई भाई की स्मृति का गठ बंधन करके जायेंगे।
 होली होली मुबारक कहते हमको मस्त मस्त टोली अपने हाथो से खिलायेंगे।

रंगभरी सतोगुणी पिचकारी से सबको स्नान करायेंगे।
मधुर मधुर दृष्टि देकर फिर अपने वतन को लौट जायेंगे।